

WE CHOOSE OUR CONSCIENCE
HOOSE OUR CONSCIENCE T

— OUR NEW MANDATE: ACCOUNTABILITY. EDUCATION. EQU
DES
PAPER LEAK SCANDALS
YOUTH VOICES
FAMILIES SPEAK



PRIME TIME FOR
THE PEOPLE, NOT FOR POWER.
100% COVERAGE FOR THE JANTAR MANTAR MOVEMENT



📢 अस्वीकरण 📢

"यह 'विशफुली योर्स' द्वारा रचित काल्पनिक कथा और इच्छात्मक सोच पर आधारित एक रचना है। इसका वास्तविक दुनिया की घटनाओं या आधिकारिक बयानों से कोई संबंध नहीं है।"

द ग्रेट मीडिया अवेकनिंग: प्राइमटाइम "सत्याग्रह" ब्रॉडकास्ट्स

चल रहे सेंट्रलाइज्ड जॉइंट प्रोटेस्ट (CJP) ने एक दिल दहला देने वाला सच सामने रख दिया था: मुख्यधारा की पत्रकारिता पूरी तरह से अपनी आत्मा और जमीर खो चुकी थी। जब देश ऐतिहासिक पेपर लीक, अकादमिक हताशा में जान गंवाने वाले छात्रों की खुदकुशी की दुखद लहर, और युवाओं के एक उग्र लेकिन पूरी तरह से शांतिपूर्ण आंदोलन का गवाह बन रहा था, तो बड़े टेलीविजन चैनलों ने इस पर पूरी तरह से राज्य-गठबंधन (state-aligned) कॉर्पोरेट प्रतिबंध लगा दिया था। एक लोकतंत्र को अपने ही भविष्य की इस तरह अनदेखी करते देखना अविश्वसनीय रूप से एक बेहद दुखद कहानी थी—एक ऐसी घटना जो सत्ता में बैठे लोगों के नैतिक व्यवहार में आ चुकी पूरी सड़न को सचमुच घर की छतों से चिल्ला-चिल्ला कर बयां कर रही थी।



लेकिन इंसान का जमीर एक ऐसी ताकत है जिसे कभी दबाया नहीं जा सकता।



@yours_wishfully

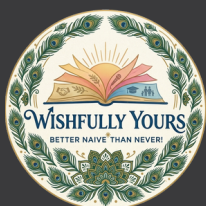
जहां एक ओर कुछ गिने-चुने निष्पक्ष मीडिया चैनलों ने इस असाधारण घटना को उचित कवरेज दिया—जो शायद भारत की आजादी के बाद अपनी तरह का अनूठा आंदोलन था— वहीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की एक फौज इस खालीपन को भरने के लिए आगे आई और जमीन से लगातार CJP विरोध प्रदर्शनों की हकीकत को प्रसारित करती रही।



अडिग विरोध प्रदर्शनों के दो सप्ताह (एक पखवाड़े) बाद, समझौता कर चुके बिकाऊ मीडिया घरानों की दीवारों के भीतर भी दरारें दिखनी शुरू हो गई थीं।

ढाल में दरार

एक बड़े नेटवर्क की मुख्य एंकर के भीतर सब कुछ पूरी तरह से टूट गया। अपने निजी फोन पर दुखी परिवारों के लाइव स्ट्रीम को देखना और दूसरी तरफ ऑन-एयर जबरन तैयार की गई ध्यान भटकाने वाली स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मजबूर होना उसके लिए एक मानसिक प्रताड़ना बन गया था। वह अपने भीतर पूरी तरह से टूट गई, उसे अहसास हुआ कि उसकी खामोशी कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसे इस तरह खरीदा जा सके।



@yours_wishfully

एक बेहद आकर्षक वेतन, भारी कॉर्पोरेट सुरक्षा और अपने पेशेवर भविष्य को दांव पर लगाते हुए, उसने चुपचाप प्रतिद्वंद्वी नेटवर्कों में अपने कुछ भरोसेमंद पत्रकार दोस्तों से संपर्क किया। अंधेरे में एक शांत, दृढ़ संकल्प की शुरुआत हुई।



प्राइमटाइम बगावत

अगली शाम, करोड़ों लोगों ने हमेशा की तरह तीखी और बांटने वाली राजनीतिक बहस देखने की उम्मीद में टीवी ऑन किया। इसके बजाय, उन्होंने इतिहास बनते देखा।

स्टूडियो की लाइटें उस मशहूर प्राइम-टाइम एंकर के चेहरे पर पड़ीं। उसकी आंखें साफ तौर पर नम थीं, लेकिन उसका हाव-भाव एक अभूतपूर्व संकल्प से भरा था। जैसे ही टेलीप्रॉम्प्टर पर पहले से तय की गई स्क्रिप्ट चलने लगी, उसने जानबूझकर उससे अपनी नजरें हटा लीं। सीधे कैमरा लेंस में देखते हुए, उसने सीधे देश से बात की: **"आज, हम सत्ता का लाउडस्पीकर बनने के बजाय, अपने युवाओं की आवाज बनना चुनते हैं।"**



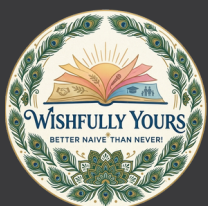
@yours_wishfully

कंट्रोल रूम से लेकर लोगों के ड्राइंग रूम तक एक सन्नाटा छा गया। कुछ ही मिनटों में उसकी इस बगावत का वीडियो क्लिप इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया और भयंकर रूप से वायरल हो गया।



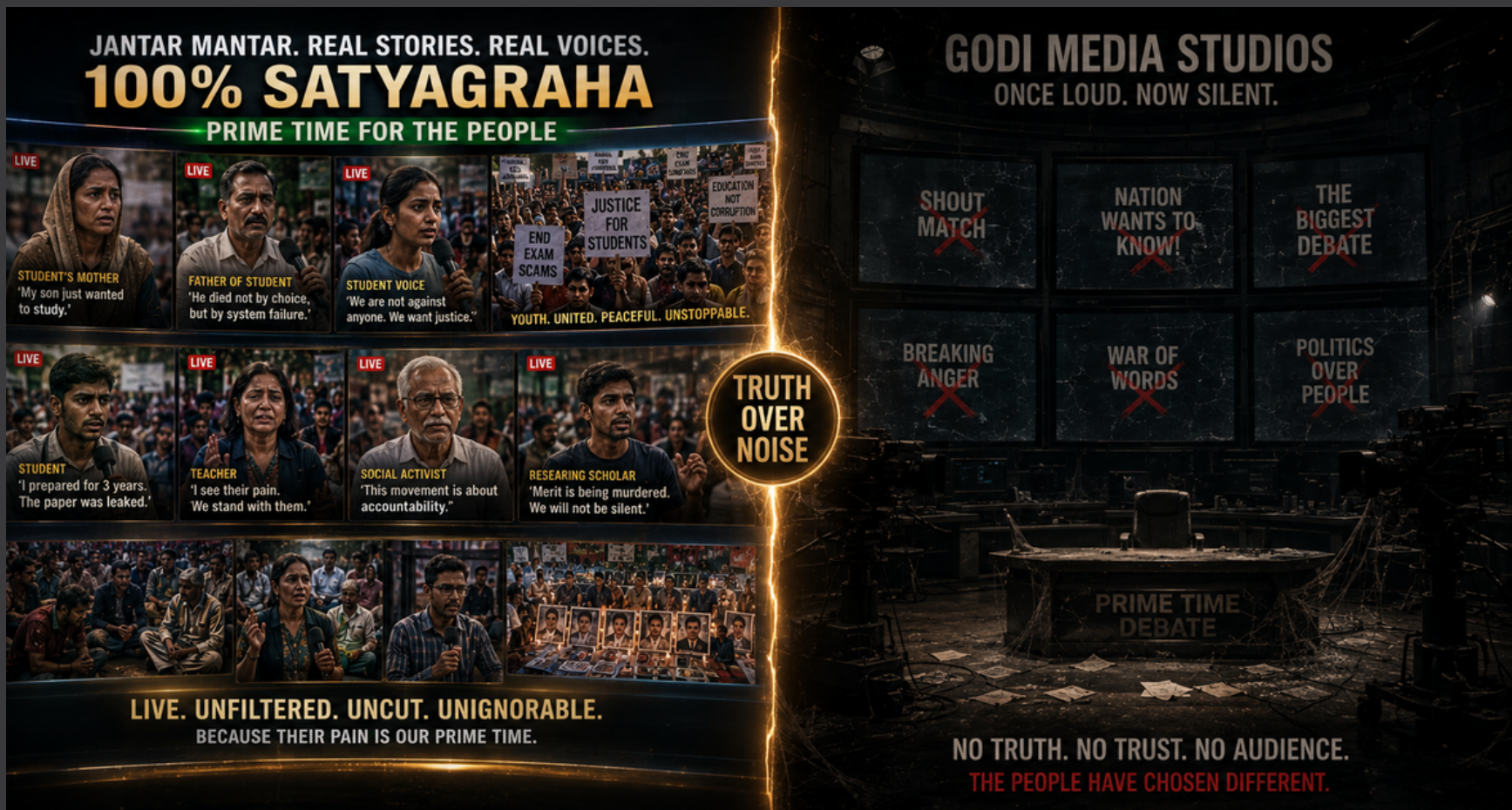
बदलाव की लहर

एंकर की इस निडरता ने एक नैतिक डोमिनो इफेक्ट (लगातार होने वाले बदलाव) की तरह काम किया। उसकी बहादुरी से शर्मिंदा और प्रेरित होकर, प्रतिद्वंद्वी चैनलों के कई शीर्ष एंकरों ने उसे अकेला छोड़ने से इनकार कर दिया। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, देश के प्रमुख टेलीविजन पत्रकारों ने अपने-अपने स्टूडियो से वॉकआउट कर दिया और एक ऐतिहासिक, संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई।

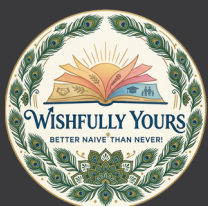


@yours_wishfully

उन्होंने बांटने वाली राजनीतिक बहसों के पूर्ण, एकतरफा बहिष्कार की घोषणा की। उनका नया संकल्प क्या था? अपने प्राइमटाइम स्लॉट का 100% हिस्सा जंतर-मंतर आंदोलन को समर्पित करना।



अगले एक महीने तक, प्राइमटाइम टीवी अकादमिक हताशा के कारण जान गंवाने वाले छात्रों के परिवारों की लाइव, बिना काट-छांट वाली और बेहद मार्मिक दास्तां में बदल गया, जिसने शैक्षिक जवाबदेही पर एक अपरिहार्य ध्यान खींचने के लिए मजबूर कर दिया। कॉर्पोरेट मीडिया तंत्र पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया था—लेकिन उसी अराजकता के बीच, सच ने अपना खोया हुआ सिंहासन वापस पा लिया। आने वाले महीनों में, भारत ने न केवल अपने मीडिया परिदृश्य में सुधार किया, बल्कि वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स (विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक) में एक शानदार और ऐतिहासिक छलांग लगाई।



@yours_wishfully

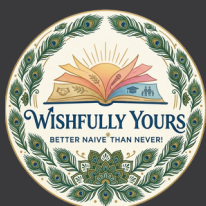
⚠️ जरूरी डिस्क्लेमर (Disclaimer) ⚠️

यह समाचार पूरी तरह से काल्पनिक (Speculative Fiction) है। इसका वास्तविक घटनाओं या किसी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से कोई संबंध नहीं है। यह "Wishfully Yours" द्वारा समाज में नैतिक और मानवीय मूल्यों की कल्पना के लिए तैयार की गई एक रचनात्मक प्रस्तुति है।

⚖️ कानूनी अस्वीकरण (LEGAL DISCLAIMER) ⚖️

महत्वपूर्ण सूचना, रचनात्मक संदर्भ, और कानूनी आरक्षण

- सामग्री की प्रकृति:** 'विशफुली योर्स' द्वारा इस प्रसारण/प्रकाशन में प्रदान की गई सामग्री पूरी तरह से काल्पनिक कथा, रचनात्मक परिकल्पना और कलात्मक अभिव्यक्ति है। यह काल्पनिक, आदर्श परिदृश्यों, वैकल्पिक संभावनाओं और "क्या-होगा-यदि" जैसी कहानियों को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य नागरिक कल्पना, सकारात्मक संवाद और सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस रचना में दर्शाई गई कोई भी घटना, बयान, कार्रवाई, पत्र या संवाद वास्तव में घटित नहीं हुए हैं, और न ही ये भविष्य की वास्तविक घटनाओं की भविष्यवाणी करने का दावा करते हैं।
- निष्पक्ष अभिव्यक्ति और व्यंग्य/आदर्शवादी कथा:** इस सामग्री का निर्माण और साझाकरण सामाजिक टिप्पणी, सकारात्मक व्यंग्य और रचनात्मक नागरिक जुड़ाव के रूप में पूरी निष्ठा के साथ किया गया है। इसका उद्देश्य अत्यधिक आदर्शवादी, काल्पनिक समाधानों के माध्यम से व्यवस्थागत सामाजिक मुद्दों को उजागर करना है। यह भाषण की स्वतंत्रता, कलात्मक अभिव्यक्ति और निष्पक्ष टिप्पणी की संवैधानिक गारंटियों के तहत संरक्षित है।
- मानहानि या गुमराह करने का कोई इरादा नहीं:** इन काल्पनिक कहानियों के भीतर वास्तविक दुनिया के सार्वजनिक व्यक्तित्वों, सरकारी अधिकारियों, संस्थानों या संगठनों का कोई भी चित्रण विशुद्ध रूप से रचनात्मक रूपक और व्यवस्थागत आलोचना के उद्देश्य से किया गया है। किसी भी व्यक्ति, राजनीतिक दल, कार्यालय या संस्थान को बदनाम करने, उसकी छवि खराब करने, गलत तरीके से प्रस्तुत करने या उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने का रत्ती भर भी इरादा नहीं है। इसके अलावा, यह सामग्री स्पष्ट रूप से इस तरह तैयार की गई है कि यह किसी को धोखा न दे, गुमराह न करे या गलत सूचना/फर्जी खबरें न फैलाए; इस पाठ/वीडियो की रचनात्मक और गैर-तथ्यात्मक प्रकृति को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट घोषित किया गया है।
- वास्तविकता से पृथक्ता:** दर्शकों, पाठकों और श्रोताओं को स्पष्ट रूप से आगाह किया जाता है कि वे इस सामग्री के किसी भी हिस्से को वास्तविक समाचार, पत्रकारिता रिपोर्टिंग या आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के रूप में न लें। चल रही सार्वजनिक घटनाओं के बारे में वास्तविक और सत्यापित अपडेट के लिए, कृपया आधिकारिक सरकारी सूचनाओं या मान्यता प्राप्त, मुख्यधारा की समाचार एजेंसियों का संदर्भ लें।
- गैर-अनुमोदन और सीमित दायित्व:** इस चैनल/प्लेटफॉर्म के निर्माता इस रचनात्मक कल्पना को किसी तीसरे पक्ष द्वारा समझने, साझा करने या अपनाए जाने के तरीके के लिए कोई कानूनी दायित्व या जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते हैं। इस सामग्री को देखना/पढ़ना जारी रखकर, उपयोगकर्ता स्वीकार करता है और सहमति देता है कि वे इसकी काल्पनिक और अनुमानित प्रकृति को समझते हैं, तथा कहानी की किसी भी गलतफहमी या गलत व्याख्या से उत्पन्न होने वाले किसी भी दावे से निर्माताओं को मुक्त करते हैं।



@yours_wishfully

The Mission:

“We don’t report what happened yesterday; we visualize what humanity has the power to do tomorrow. Welcome to a broadcast from the world we actually deserve”.

Our Goals:

At Wishfully Yours, we believe that society cannot fix a problem until it can clearly visualize the solution. Our goals transcend traditional reporting:

1. To Battle Civic Despair with Constructive Hope:

- Traditional news tells you everything that is going wrong, often leaving citizens feeling helpless, cynical, and detached. Our goal is to inject radical, constructive hope back into the public consciousness by showing that better outcomes are entirely possible when empathy takes center stage.

2. To Model "The Highest Path" for Our Leaders:

- We don't use fiction to criticize; we use it to elevate. By portraying public figures, government bodies, and institutions acting with extraordinary moral courage, humility, and transparency, we provide a blueprint for true statesmanship. We aim to show that listening to the people is never a political defeat—it is the ultimate victory.

3. To Reclaim "Naive" as a Force for Good:

- Cynics often dismiss peaceful resolution, deep empathy, and structural accountability as "naive" or "unrealistic." We proudly reclaim that label. Our goal is to prove that being passionately, relentlessly "naive" about human goodness is far more productive than settling for systemic apathy.

4. To Bridge Communication Gaps:

- In times of national crisis, walls of ego and administrative silence often divide the government from its citizens. We aim to act as a creative bridge—co-writing the scripts of mutual respect, dignified dialogue, and "win-win" resolutions that both sides can look up to.

5. To Inspire Real-World Action Through Imagination:

- By holding up a mirror of an idealized world, we create an invisible but powerful moral benchmark. We want our audience—and our leaders—to finish reading a Wishfully Yours bulletin and ask themselves the ultimate question: “If this is what the best version of us looks like... why can't we build it tomorrow?”



@yours_wishfully



Follow us:

@yours_wishfully

(Link in Bio)



"आइए मिलकर एक नए और सशक्त भारत का निर्माण करें।
कृपया अपने विचार हमारे साथ साझा करें।"